Title: Regarding police atrocities at Kishangarh, Rajasthan.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान राजस्थान के अन्दर जो वर्तमान सरकार है, उसके द्वारा साम्प्रदायिकता और दमन चक्र को निरन्तर बढ़ावा दिया जा रहा है। राजस्थान में कांग्रेस सरकार जब से सत्ता में आई है, तब से 73 दंगे और 300 तनाव की घटनाएं हुई हैं। गोधरा हत्याकाण्ड के बाद उसके विरोध में एक मार्च, 2002 को जो राजस्थान बन्द हुआ था तो मेरे निर्वाचन क्षेत्र अजमेर के अन्तर्गत किशनगढ़ में भारतीय जनता पार्टी, वी.एच.पी. और आर.एस.एस. के कार्यकर्ताओं पर घोर अत्याचार किये गये। पुलिस एवं प्रशासन ने निर्दो नागरिकों की निर्मम पिटाई की, मानवाधिकारों का हनन किया और जो मौलिक अधिकार हैं, उनको एक प्रकार से छीन लिया गया। वहां एक व्यक्ति पुलिस की पिटाई से मर गया, दूसरा गोली लगने से राजस्थान के सबसे बड़े एस.एम.एस. हॉस्पीटल में भर्ती है. इसके अलावा सैकड़ों आदमियों के, जो ग्रामीण लोग थे, दूध लेकर आये, उनके हाथ-पैर तोड़ दिये गये, जिनको पता नहीं था कि कर्फ्यू लगा दिया है या किस प्रकार की स्थिति हुई है। इसके विरोध में हमारे भारतीय जनता पार्टी के राजस्थान प्रदेश के अध्यक्ष भंवर लाल जी शर्मा पिछले सात मार्च से किशनगढ़ के अन्दर धरने पर बैठे हुए हैं। राजस्थान सरकार कई दोषी सिपाहियों और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने पर नहीं मान रही है, इसलिए मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि सी.बी.आई. से

इस सारे मामले की जांच कराये और गहलोत सरकार, जो हमारे मानवाधिकारों का हनन कर रही है, मौलिक अधिकारों पर कुठाराघात कर रही है, हमें बुला-बुलाकर यह कहा गया कि और भारतीय जनता पार्टी का काम करोगे, और आर.एस.एस. की शाखा में जाओगे, ऐसा कहकर उनको सताया जा रहा है।

इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि मानवाधिकारों का जो हनन हो रहा है, मौलिक अधिकारों की जो हत्या हो रही है और जो निर्दो नागरिकों की जो निर्मम पिटाई हो रही है, उसकी जांच कराई जाये और गहलोत सरकार को बर्खास्त किया जाये। धन्यवाद।